ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-6 जून-II, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू 8.00

विश्व में परमात्म श्रीमत द्वारा सतयुग की पुन: स्थापना

15वें अखिल भारतीय दो दिवसीय भगवद्गीता सम्मेलन का आयोजन

मंचासीन हैं स्वामी आध्यात्मानंद जी, जस्टिस वी. ईश्वरैय्या, स्वामी जीवन देव, महामहिम राज्यपाल सोलंकी, ब्र.कु. आशा, स्वामी मुक्तानंद पुरी जी महाराज, डॉ. पुष्पा पाण्डेय व वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. उषा।

ओ.आर.सी-गुड़गांव । हमारे देश में ज्ञान की कमी नहीं है, परंतु कमी है उसे व्यवहार व आचरण में लाने की। हमें दुर्योधन नहीं, युधिष्ठिर बनने की ज़रूरत है। गीता पर सम्मेलन होते रहे हैं, लेकिन उसका व्यवहारिक अस्तित्व कहीं खो सा गया है। आज समाज का व्यवहार दुर्योधन की भाँति है, लेकिन बनना तो हमें अर्जुन है ना! उक्त बातें **पंजाब व हरियाणा के राज्यपाल महामहिम कप्तान सिंह सोलंकी** ने दो दिवसीय 15वें अखिल भारतीय भगवद्गीता सम्मेलन में कहीं।

उन्होंने कहा कि गीता को उद्बोधित हुए काफी समय हो गया है, लेकिन उसका आध्यात्मिक अभिप्राय कहीं नज़र नहीं आ रहा है। अब समस्या यह है कि दुर्योधन को अर्जुन कैसे बनाया जाये। संयुक्त राष्ट्र संघ के जितने भी देश हैं उनकी स्थापना मनुष्यों द्वारा हुई, लेकिन भारत एक ऐसा देश है जिसने वसुधैव कुटुम्बकम की गरिमा को कायम रखा। इसका आधार यह है कि इसकी स्थापना स्वयं परमात्मा ने संतों व महात्माओं के द्वारा की। बस आज उस पुरातन संस्कृति को पोषित करने की आवश्यकता है।

स्वामी 1008 जीवनदेव जी महाराज, यतिधाम आश्रम, वृन्दावन ने कहा कि मानव जीवन बड़े भाग्य से मिलता है, इसके समाप्त होने से पहले इसका सदुपयोग मानव कल्याण के लिये किया जाये।

स्वामी आध्यात्मनंद जी महाराज,अहमदाबाद ने कहा कि हमारी सोच गीता, वेदों व उपनिषदों को लेकर सकारात्मक होनी चाहिए।

अलवर से आये डॉ. स्वामी मुक्तानन्दपुरी जी महाराज ने कहा कि गीता परमात्मा और अर्जुन का सार्वभौमिक संवाद है। आज हम सभी अर्जुनों को उस संवाद के साथ न्याय करना चाहिए।

ब्रह्माकुमारीज़ के प्रिन्सीपल सेक्रेट्री ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि गीता में साफ-साफ लिखा है कि मैं जो हूँ, जैसा हूँ, उस रूप में मुझे याद करना, हम परमात्मा की श्रीमत का कहीं उल्लंघन तो नहीं कर रहे। एक ओर हम कहते हैं कि भगवान सब जगह है, और दूसरी ओर दु:खी होकर जी रहे हैं, कहीं यह दु:ख की घड़ियाँ धर्म की अति ग्लानि का समय तो नहीं है!

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी.ईश्वरैय्या ने कहा कि भगवान अभोक्ता, अकर्ता व अजन्मा है, वह कभी गर्भ से जन्म नहीं लेता है। आज वही अपना कार्य, अपनी रचना, दस लाख से भी अधिक ब्रह्माकुमार व ब्रह्माकुमारियों द्वारा स्वर्गिक दुनिया बनाने हेतु कर रहे हैं। हमें परमात्मा की सही पहचान की ज़रूरत है। कार्यक्रम का संचालन **राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. उषा,माउण्ट आबू** ने किया।

भारत देवभूमि, गीता की भूमि, योग की भूमि है। आज भी बहुत सारे गीता और अध्यात्म प्रेमी सारे विश्व में पाये जाते हैं। आज धर्मग्लानि के समय सभी इस सत्यता से पूर्णतया अनभिज्ञ हैं कि गीता के भगवान द्वारा पतित कलियुगी विश्व को स्वर्णिम विश्व बनाने का अलौकिक कार्य वर्तमान समय तीव्र गति से चल रहा है। इसी विषय को लेकर गुरुग्राम में स्थित ओमशान्ति रिट्रीट सेंटर में गीता वृत्तांत को लेकर परिचर्चा हेतु एक महासम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश के जाने-माने गीता स्कॉलर, महामण्डलेश्वर तथा गीता पर शोध करने वाले अन्यानेक गीता पाठियों ने स्वेच्छा से भाग लिया।

सिंहस्थ महाकुंभ 2016 एक ऐतिहासिक पहल का बना साक्षी

सद्भावना संकल्प से स्वच्छता क्रान्ति लाने का आह्वान

उज्जैन। सिंहस्थ महाकुंभ में एक मंच पर बहुत सारे धर्म प्रमुखों ने सद्भावनापूर्वक पर्यावरण अनुकूलन का एक साथ संकल्प लिया। 'भारत स्वच्छता अभियान' का एक उदाहरण इन धर्म प्रमुखों ने सबके सामने रखा। स्वामी चिंदानंद सरस्वती ने कहा कि भारत में साफ पेयजल, स्वच्छता और सफाई के अभाव में प्रतिदिन बहुत सारे बच्चों की मृत्यु हो जाती है, इसलिए हम चाहें तो अपने संकल्पों से इस स्थिति को बदल सकते हैं।

सिंहस्थ कुंभ मेले में 'स्वच्छ भारत अभियान' के दौरान सभी धर्मानुयायी एक मंच पर भारत को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेते हुए। साथ हैं ब्र.कु. बिन्नी।

भारत माता के लिए स्वच्छता क्रान्ति लाने कई धर्म हुए एकजुट

पानी सभी के जीवन की बुनियादी आवश्यकता है, लेकिन अभी धरती पर पीने योग्य पानी बहुत कम है। इसलिए जल का संरक्षण करना महत्वपूर्ण है। - **स्वामी अवधेशानंद जी महाराज।**

समाज में स्वास्थ्य, स्वच्छता और सफाई के महत्वपूर्ण संदेश में प्रचार-प्रसार के लिए देश भर के इमामों को एकजुट करेंगे। - **प्रख्यात सुन्नी नेता इमाम उमर इलियासी।**

पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती,सह-संस्थापक, ग्लोबल इंटरफेथ वाश अलायंस (जीवा) और अध्यक्ष

- शेष पेज 11 पर